लुधियाना में बैठे वैज्ञानिक ने पंतनगर में बैठे विद्यार्थियों को दिया व्याख्यान

अंतर्राष्ट्रीय कृषि डिप्लोमा पाठ्यक्रम में मालदीव के विद्यार्थियों को मिली यह सुविधा

पंतनगर। 19 अगस्त, 2010। विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय कृषि डिप्लोमा पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से पंतनगर में ही बैठकर लुधियाना में बैठे केन्द्रीय पोस्ट हार्वेस्ट अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान (सिफेट), के निदेशक, डा. आर. पाटिल से पोस्ट हार्वेस्ट तकनीकी के बारे में व्याख्यान दिलाया गया। यह व्याख्यान बिल्कुल ऐसे लग रहा था जैसे डा. पाटिल विद्यार्थियों के सामने उपस्थित रहकर ही व्याख्यान दे रहे हों। विद्यार्थियों द्वारा किये गये प्रश्न एवं डा. पाटिल द्वारा दिये गये उत्तर भी आमने–सामने की उपस्थिति का आभास दे रहे थे। वैज्ञानिकों द्वारा कुलपति सभागार में पहली बार आयोजित इस प्रकार के व्याख्यान के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट सहित कुलसचिव, डा. जे. कुमार, निदेशक शोध, डा. जे.पी. पाण्डे व निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. वाई.पी.एस. डबास भी उपस्थित थे।

इस व्याख्यान के अंतर्गत डा. पाटिल ने लुधियाना में अपने कार्यालय में बैठे रहकर ही पंतनगर में बैठे मालदीव से आये विदेशी छात्रों को कृषि व्यवसाय में सस्योत्तर तकनीकी के महत्व एवं उपयोग के बारे में जानकारी देते हुए संस्थान द्वारा उनके संस्थान विकसित यंत्रों के बारे में भी बताया। उन्होंने संस्थान द्वारा तैयार की गई वीडियो फिल्म के माध्यम से विभिन्न फलों एवं सब्जियों के विधायन में उपयोगी सस्योत्तर यंत्रों के बारे में जानकारी दी। डा. पाटिल ने कृषि के विकास एवं समृद्धि में पोस्ट हार्वेस्ट तकनीकी के महत्व के बारे में बताते हुए संस्थान में चलाये जा रहे विभिन्न परियोजनाओं जैसे अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना, बहुक्षेत्रीय (मल्टी सैक्टोरल) शोध परियोजना आदि की भी जानकारी दी।

कुलसचिव एवं कृषि डिप्लोमा पाठ्यक्रम समन्वयक, डा. जे. कुमार द्वारा मालदीव की कृषि दशाओं के मद्देनजर उपयुक्त कृषि उद्यमिता की संभावनाओं के बारे में पूछे गये प्रश्न के प्रत्युत्तर में डा. पाटिल ने अतिसघन बहुमंजिली फसलोत्पादन पद्धति को अपनाने का सुझाव दिया जिसके अंतर्गत एक ही खेत में विभिन्न ऊँचाईयों वाले फल वृक्ष, मसालों एवं सब्जियों का एक साथ सफलतापूर्वक उत्पादन किया जा सकता है। केरल राज्य से मिलती–जुलती जलवायुवीय दशाओं वाले मालदीव में नारियल आधारित उद्यमों के विकास की उन्होंने व्यापक संभावना व्यक्त की। पंतनगर में व्याख्यान सुन रहे मालदीव के विद्यार्थियों में से थोहा अली और गासिथ ने डा. पाटिल से प्रसंस्कृत फलों एवं सब्जियों के सही रूप से संरक्षण एवं भण्डारण अवधि के बारे में तथा वर्जिन कोकोनेट ऑयल प्रसंस्करण, पैकेजिंग एवं विपणन सम्बन्धित प्रश्न पूछे जिसका उन्होंने विस्तृत जबाब दिया। कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट ने बताया कि इस वीडिया कान्फ्रेसिंग की श्रृंखला में कृषि सम्बन्धित विभिन्न विषयों के बारे में विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किये जायेंगे।

चित्र सं.–2. पंतनगर में बैठे अंतर्राष्ट्रीय कृषि डिप्लोमा पाठ्यक्रम के छात्रों को लुधियाना से व्याख्यान देते सिफेट, लुधियाना के निदेशक, डा. आर. पाटिल (वीडियो में)।